हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

11 वृक्षों का संरक्षण करने वालों को मिलेगा...

12 राजकीय व प्राइवेट डिग्री कॉलेजों में पीजी प्रथम...

खबर संक्षेप

सिरोही बहाली के सूबेदार की हृदयघात से मौत

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव सिरोही बहाली निवासी करीब 50 वर्षीय आर्मी से रिटायर्ड सूबेदार राकेश कुमार की हृदयघात से मौत हो गई। वह पिछले कुछ समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और उनका उपचार चल रहा था। परिजनों के अनुसार तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए नारनौल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया कि उन्हें पहले से ही हृदय संबंधी समस्या थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। राकेश कुमार के निधन से परिवार में शोक का माहौल है।

दूसरे दिन भी नहीं हुई महिला की पहचान

नारनौल। थाना नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव नोलायजा के समीप शनिवार को मिले अज्ञात महिला के शव की दूसरे दिन भी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है और मृतका की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार शव करीब तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। मृतका ने लोवर और टी-शर्ट पहन रखी थी। पहचान के लिए आसपास के जिलों व थानों में सूचना भेजी गई है तथा दर्ज गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान किया जा रहा है। साथ ही ग्राम पंचायतों और जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग मांगा गया है।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला घायल

नारनौल। रेवाड़ी रोड स्थित एनएच-152डी के निकट अज्ञात डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला पीटीआई गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल का जयपुर के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। शहर थाना पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के गांव गंडाला निवासी राजेश देवी नारनौल के आरपीएस स्कूल में पीटीआई हैं। उन्होंने बताया कि वह स्कूटी से एनएच-152डी की ओर जा रही थीं। होंडा शोरूम से करीब 500 मीटर आगे पीछे से तेज रफ्तार नीले रंग के डंपर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

कनीना शिव मंदिर में शिवरात्रि महोत्सव 9 से

कनीना। वार्ड चार स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव प्रेमी ग्रुप एवं ग्रामवासियों के सहयोग से तीन दिवसीय भव्य सावन शिवरात्रि महोत्सव नौ अगस्त से शुरू होगा। जिसके पहले दिन सुबह नौ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी और रात नौ बजे से महिला भक्ति संगीत का कार्यक्रम होगा। 11 अगस्त को सुबह उपवास प्रसादी के बाद, रात आठ बजे से जागरण, शिव विवाह और सुंदर झांकियों का आयोजन किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि अतरलाल होंगे। महोत्सव का समापन 12 अगस्त को होगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा होंगी। इसके पश्चात सवा 10 बजे कन्या भोज कराया जाएगा। साढ़े 10 बजे भंडारा प्रारंभ किया जाएगा।

कांटी में भंडारा और भजन-कीर्तन आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी में 20 जुलाई को बाबा गणेशदास जी महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई जाएगी। बाबा गणेशदास जी महाराज मंदिर में विशाल भंडारे एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ठाकुर जी मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट के सचिव अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को बाबा गणेशदास जी महाराज की पुण्यतिथि होती है।

एक सप्ताह से उमस और गर्मी से बेहाल लोग

किसानों की निगाहें मानसून पर, नारनौल-महेंद्रगढ़ में अच्छी बारिश की उम्मीद

दिनभर बादलों की आवाजाही, शाम को कहीं-कहीं हल्की बारिश, आज से झमाझम बरसात के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले में रविवार को दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। देर शाम जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश होने से मौसम में मामूली बदलाव महसूस किया गया, हालांकि उमस से लोगों को पूरी तरह राहत नहीं मिल सकी। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से लगातार तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण आमजन बेहाल हैं। दिनभर पसीने से तरबतर रहने के बाद लोगों को अब मानसून की सक्रियता का इंतजार है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार से जिले में मानसून फिर से सक्रिय होने की संभावना है, जिससे कई स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ क्षेत्रों में अच्छी बारिश हो सकती है।

फसलों के लिए बारिश बेहद जरूरी

रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन लंबे समय तक बारिश नहीं हुई। शाम के समय नारनौल, महेंद्रगढ़ तथा आसपास के कुछ इलाकों में हल्की फुहारें पड़ी। इससे तापमान में मामूली गिरावट आई, लेकिन वातावरण में नमी बढ़ने से उमस बनी रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं और मानसूनी ट्रफ के दक्षिण की ओर सक्रिय होने से हरियाणा में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जिले में खरीफ फसलों, विशेषकर बाजरा, ग्वार, मूंग, कपास और चारे की फसलों के लिए इस समय बारिश बेहद जरूरी है। जिन किसानों ने समय पर बुवाई कर दी थी, उनकी फसलें अब नमी की कमी महसूस करने लगी हैं। कई स्थानों पर किसान सिंचाई के लिए ट्यूबवेल और अन्य जल स्रोतों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन लगातार गिरते भूजल स्तर और बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण यह भी चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। यदि अगले दो-तीन दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई, तो फसलों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है।

नारनौल। आसमान में छाए बादल। फोटो : हरिभूमि

मौसम का पूर्वानुमान

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि 21 से 24 जुलाई के बीच महेंद्रगढ़ जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय रह सकता है। इस दौरान नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना, अटेली, नांगल चौधरी व सतनाली क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज बारिश के साथ गरज-चमक और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। इससे दिन के तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के ताजा संकेतों के अनुसार सोमवार से जिले में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। यदि पूर्वानुमान के अनुरूप अच्छी वर्षा होती है, तो इससे न केवल लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी, बल्कि खरीफ फसलों को भी नया जीवन मिलेगा और किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौट आएगी।

सवा करोड़ की लागत से बने सीएफसी अब भी नहीं दे रहे सेवाएं

अब आईडी बनने का इंतजार, आखिर कब खुलेंगे सिटीजन फैसिलिटी सेंटर

- लोगों को आज भी सरल केंद्र के चक्कर लगाने की मजबूरी
- चार कंप्यूटर ऑपरेटर मिलने के बावजूद शुरू नहीं हो सकी व्यवस्था
- नगर परिषद बोली, आईडी बनते ही होंगे संचालित

राजकुमार ⏭ नारनौल

शहर के लोगों को सरकारी सेवाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा बनाए गए सिटीजन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) आज भी अपने उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। जबकि करीब दस महीनों से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में बनाए गए पांच सीएफसी भवन महीनों से तैयार खड़े हैं और एक पर करीब 20 लाख रुपये की लागत आई थी, लेकिन इनमें नागरिकों को कोई सुविधा नहीं मिल रही। हालत यह है कि भवनों पर सरकारी धन खर्च होने के बावजूद वे उपयोग के अभाव में धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील होते जा रहे हैं।

अलग खबर

दूसरी ओर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, सरकारी योजनाओं के आवेदन सहित अन्य ऑनलाइन सेवाओं के लिए लोगों को अब भी लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम की घोषणा के अनुसार नगर परिषद की योजना शहर में कुल छह सिटीजन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने की थी, ताकि प्रत्येक क्षेत्र के लोगों को घरद्वार के नजदीक ही सरकारी सेवाएं मिल सकें। इनमें से पांच केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि छठा केंद्र ब्वॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के समीप प्रस्तावित है। हालांकि नगर परिषद की जमीन पर विवाद होने के कारण यह केंद्र अभी तक नहीं बन सका है।

नारनौल। पॉलीटेक्नीक अंडरपास के नजदीक बनाया गया सीएफसी भवन। फोटो : हरिभूमि

अलग-अलग हिस्सों में बने हैं पांच केंद्र

नगर परिषद ने पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास अंडरपास के निकट, कोजिंदा, नसीबपुर, रेवाड़ी रोड स्थित अटल पार्क के पास तथा मोहल्ला महल में सिटीजन फैसिलिटी सेंटर तैयार कराए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य यह था कि आसपास के वार्डों के लोगों को छोटी-छोटी सरकारी सेवाओं के लिए शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक न जाना पड़े। यदि ये केंद्र शुरू हो जाएं तो हजारों लोगों का समय और खर्च दोनों बच सकते हैं।

लोगों को अब भी सरल केंद्र पर निर्भर रहना पड़ रहा

सीएफसी शुरू नहीं होने का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ रहा है। जन्म प्रमाण पत्र बनवाने से लेकर आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र में संशोधन, पेंशन और अन्य सरकारी सेवाओं के लिए लोगों को आज भी लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र पहुंचना पड़ता है। कई बार वहां लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता है। यदि शहर के विभिन्न हिस्सों में बने सीएफसी चालू हो जाएं तो लोगों का समय, पैसा और परेशानी तीनों कम हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल सेवाओं के विस्तार के इस दौर में ऐसे केंद्र नागरिकों और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बन सकते हैं। इसलिए इनका जल्द संचालन शुरू होना जरूरी है।

यह बोले अधिकारी

नगर परिषद के म्यूनिसिपल इंजीनियर सोहन सिंह ने बताया कि जिला उपायुक्त कार्यालय से चार कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। अब इन केंद्रों के संचालन के लिए आवश्यक आईडी बनवाई जा रही हैं। आईडी मिलते ही सभी तैयार सिटीजन फैसिलिटी सेंटर शुरू कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के चालू होने से आमजन को सरकारी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध होंगी और सरल केंद्र पर बढ़ने वाला दबाव भी कम होगा।

ऑपरेटर मिले, लेकिन आईडी के इंतजार में अटकी शुरुआत

करीब दो-तीन माह पहले जिला प्रशासन की ओर से नगर परिषद को चार कंप्यूटर ऑपरेटर भी उपलब्ध करा दिए गए थे। इसके बाद लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही सीएफसी शुरू हो जाएंगे, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि इन केंद्रों के संचालन के लिए आवश्यक लॉगिन आईडी और तकनीकी औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण काम शुरू नहीं हो सका है। यही वजह है कि भवन तैयार होने और स्टाफ मिलने के बावजूद जनता को इनका लाभ नहीं मिल रहा। कई स्थानों पर बने भवन लंबे समय से बंद पड़े हैं। नियमित उपयोग नहीं होने के कारण इनमें रखी गई सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं और भवनों का रखरखाव भी चुनौती बनता जा रहा है। शहर के लोगों का कहना है कि सरकार और नगर परिषद ने नागरिक सुविधाओं को घर-घर तक पहुंचाने की अच्छी योजना बनाई थी, लेकिन उसका लाभ आमजन तक नहीं पहुंच पा रहा। यदि केंद्र समय पर शुरू हो जाते तो लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए कई किलोमीटर दूर सरल केंद्र नहीं जाना पड़ता।

छठा केंद्र अब भी कागजों में

नगर परिषद ने शहर के ब्वॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के समीप भी एक सिटीजन फैसिलिटी सेंटर बनाने की योजना बनाई थी। इसके लिए बजट भी स्वीकृत हो चुका था, लेकिन जिस जमीन पर केंद्र प्रस्तावित है, वह विवादों में घिर गई। भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका और यह परियोजना अब भी अधर में लटकी हुई है। यदि यह केंद्र भी बन जाता तो शहर के एक बड़े हिस्से के लोगों को अतिरिक्त सुविधा मिलती। फिलहाल पांच तैयार भवन भी बंद हैं और छठा निर्माण का इंतजार कर रहा है।

हेरोइन सहित आरोपित युवक को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर थाना की पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए मोदाआश्रम के पास दमकल विभाग के नजदीक से एक युवक को अवैध मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मोहित निवासी महेंद्रगढ़ के रूप में हुई है। शहर थाना पुलिस टीम सरकारी गाड़ी से मसानी चौक पर गश्त और संदिग्धों की पड़ताल कर रही थी।

इसी दौरान पुलिस को एक विश्वसनीय मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि पंजाबी मोहल्ला निवासी एक युवक दमकल विभाग व मोदाश्रम के पास युवाओं को नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। एनडीपीएस एक्ट की धारा 42 के तहत तुरंत नोटिस तैयार कर उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया और बिना समय गंवाए बताए गए स्थान पर छापेमारी की गई। पुलिस पार्टी को आते देख आरोपित ने मौके से खिसकने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर उसे काबू कर लिया। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आरोपित को नोटिस देकर उसकी मर्जी पूछी गई। आरोपित द्वारा राजपत्रित अधिकारी के सामने तलाशी की मांग किए जाने पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट अजय कुमार तहसीलदार, महेंद्रगढ़ को तुरंत फोन कर मौके पर बुलाया गया।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जब आरोपित मोहित की पैंट की बाईं जेब की तलाशी ली गई, तो वहां से एक सफेद-हरे रंग की पॉलीथीन बरामद हुई, जिसके अंदर सिल्वर पेपर में लपेटकर रखी गई हेरोइन (चिट्टा) मिली। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक कांटे का प्रबंध कर जब नशीले पदार्थ का वजन किया तो कुल वजन पॉलीथीन सहित 5.34 ग्राम तथा शुरू वजन सिर्फ चिट्टा 2.77 ग्राम मिला।

पुलिस ने किया 1.362 किलो गांजा बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

सदर थाना पुलिस ने एसपी दीपक के दिशानिर्देश में बागोत गांव में छापेमारी कर नशीला पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कृष्ण निवासी बागोत के घर के बाहर बने बाथरूम में रेड की। जहां से आरोपित कृष्ण पुलिस की गाड़ी को देखकर मौके से भागने में कामयाब हो गया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार महेंद्रगढ़ अजय कुमार को मौके पर बुलाया गया और उनकी उपस्थिति में बाथरूम की तलाशी ली गई। जहां से एक प्लास्टिक की थैली बरामद हुई, जिसमें कुल एक किलो 362 ग्राम अवैध गांजा पाया गया। फरार आरोपित कृष्ण के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच सब-इंस्पेक्टर साहिल की ओर से की जा रही है।

पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष बनी आरती सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की नई गवर्निंग बॉडी के चुनाव में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस नियुक्ति ने राज्य के विशेष रूप से सक्षम पैरा खिलाड़ियों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। एडवोकेट विनय यादव की देखरेख में संपन्न हुई इस चुनावी प्रक्रिया में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के सहसचिव देवाकर ने पर्यवेक्षक के रूप में शिरकत की।

वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष आरती सिंह राव ने पदभार ग्रहण करते हुए संकल्प लिया कि उनकी टीम हरियाणा के पैरा खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नई प्रतिभाओं को तलाशने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर जोर दिया। एसोसिएशन के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में अभिजीत सिंह (उपाध्यक्ष), पवन कुमार (महासचिव), एडवोकेट सचिन मलिक (सहसचिव) और भीम सिंह (कोषाध्यक्ष) को चुना गया है। क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों में इस बदलाव को लेकर भारी उत्साह है।

इस नियुक्ति पर मार्केट कमेटी चेयरमैन दिनेश जेलदार ने विशेष खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि आरती सिंह राव का स्वास्थ्य मंत्री होने के साथ-साथ खेल संघ की कमान संभालना एक सुखद संयोग है। अब क्षेत्र के युवा न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में आगे बढ़ेंगे बल्कि खेल के मैदानों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय उर्फ सोनू दौंगड़ा अहीर ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह ने स्वयं पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहते हुए पैरा खेलों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उन्हीं के विजन का परिणाम है कि आज हरियाणा के पैरा खिलाड़ियों के पास अपना स्थायी कार्यालय और गतिविधियों के लिए एक व्यवस्थित ढांचा मौजूद है। सभी को उम्मीद है कि आगामी समय में मंडी अटेली समेत पूरे प्रदेश के पैरा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर हरियाणा का नाम रोशन करेंगे।

लोक अदालत में 1 करोड़ से अधिक की समझौता राशि पर बनी सहमति

नारनौल। केसों का निपटारा करते न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. रितु वाईके बहल के दिशा-निर्देशानुसार व डीएलएसए सचिव नीलम कुमारी की देखरेख में नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में विशेष एनआई एक्ट (चेक बाउंस मामले) लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य चेक बाउंस व लेनदेन से जुड़े लंबित मुकदमों का त्वरित और सुलभ समाधान करना था। इस विशेष लोक अदालत में भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और आपसी सहमति से अपने मामलों को सुलझाया सुनवाई के लिए 224 मामले रखे गए। इनमें से 42 केसों का फैसला किया गया, जिसमें एक करोड़ दो लाख 15 हजार 962 रुपये का मुआवजा दिया गया। सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि लोक अदालत के फैसले से न केवल लोगों को समय और धन की बचत होती है, बल्कि इसमें दोनों पक्षों की जीत होती है। इसमें आपसी समझौते से फैसले होने के कारण दोनों पक्षों के बीच भाईचारा और सद्भाव बना रहता है। आमजन से अपील की कि वे भविष्य में भी अपने लंबित वादों के शांतिपूर्ण और अंतिम निपटारे के लिए लोक अदालतों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

भारत विकास परिषद की बैठक में 7 कार्यक्रमों को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत विकास परिषद शाखा की आम बैठक सरस्वती स्कूल पुल बाजार में शाखा अध्यक्ष मुकेश जैन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी महीनों में आयोजित होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक व राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। मुकेश जैन ने कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज में संस्कार, सेवा और स्वदेशी भावना को बढ़ावा देना है। बैठक में सर्वसम्मति से सात कार्यक्रमों की तिथियां तय की गई। जिसमें 29 जुलाई गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवंदन छात्र अभिनंदन समारोह होगा। वहीं 25 जुलाई को कर्मचारी कॉलोनी पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम, दो अगस्त को डॉ. नीतिश सैनी के सहयोग से यादव धर्मशाला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन व आठ अगस्त को परिषद सदस्यों का तीज महोत्सव मनाया जाएगा।

नारनौल। बैठक करते परिषद के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इसके अलावा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 22 अगस्त को राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता होगी। इसके लिए 15 अगस्त के बाद जिले के चयनित विद्यालयों में प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। भारत को जानो अभियान के तहत 31 अगस्त को सभी विद्यालयों में लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए 25 जुलाई तक विद्यालयों को सूचना भेजी जाएगी। इस परीक्षा की विजेता टीमों के बीच 12 सितंबर को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। शाखा के कोषाध्यक्ष भगत सिंह सैनी ने शाखा का अब तक का लेखा जोखा पेश किया। अंत में सभी सदस्यों ने कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर एडवोकेट राजकुमार यादव, हितेंद्र बोहरा, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, संदीप शुक्ला, राहुल वर्मा, सुभाष कश्यप, विजय जिंदल, पवन यादव, विनय मित्तल, राकेश कुमार, भीमसेन शर्मा, सुनील चुघ, नीरज अग्रवाल, अशोक कुमार, पवन अरोड़ा, भगत सिंह सैनी, कविंद्र सचदेवा, यशपाल आदि उपस्थित रहे।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।

लोक संस्कृति
नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

ग़ज़ल राजपाल सिंह गुलिया

हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम-लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगैं मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

गीत सत्यवीर नाहड़िया

सुर में ताल मिलाएं ..

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवीं यादें सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया

किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन
रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गज़ब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का

लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

खबर संक्षेप

मेरे श्याम मुझे राह दिखाओ भजन पर झूमे श्रद्धालु

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात को श्याम कॉलोनी बाल भवन के पीछे जागरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान दौलतरामजी गर्ग की। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान अनिल कुमार यादव से सपरिवार विधिवत पूजन करवाया। म्यूजिक मास्टर मोहन सागर ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद डॉ. राहुल शर्मा ने श्याम तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा भजन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया।

कनीना में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

कनीना। स्वामीवाड़ा मोहल्ला स्थित ठाकुर जी मंदिर में रविवार से श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचे। मथुरा-वृंदावन से आए कथावाचक महंत पूर्ण देव महाराज के श्रीमुख से इस अमृतमयी कथा का वाचन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी कंवरसेन वशिष्ठ ने बताया कि कथा से पूर्व प्रातः नौ बजे कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें 251 महिलाओं ने कलश धारण कर शोभायात्रा में हिस्सा लिया।

अंशु ने नीट में पाई शानदार सफलता

अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव रामपुरा की होनहार छात्रा अंशु जांगिड़ ने नीट 2026 परीक्षा में पहले ही प्रयास में शानदार सफलता हासिल कर परिवार व गांव तथा अटेली पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंशु जांगिड़ जो अरविंद कुमार और मीना की पुत्री हैं, जिसने परीक्षा में 589 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक 6485 हासिल की। अंशु की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और लोग उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। अपनी सफलता का श्रेय अंशु ने अपने पिता, दादा ओमप्रकाश, दादी बिमला देवी, चाचा प्रवीण कुमार, चाची अनीता, चाचा विनेश, चाची सोनू सहित पूरे परिवार को दिया।

जाट धर्मशाला में पर्यावरण प्रहरी सम्मान समारोह 26 जुलाई को

वृक्षों का संरक्षण करने वालों को मिलेगा सामाजिक सम्मानः सत्यव्रत शास्त्री

- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जाट धर्मशाला में सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

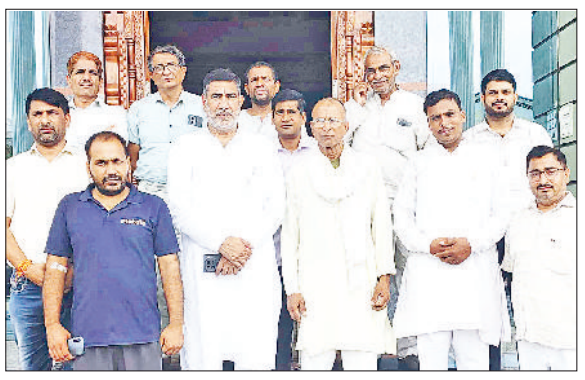

नांगल चौधरी। पर्यावरण प्रहरी कार्यक्रम की रूपरेखा बनाते सत्यव्रत शास्त्री।

पर्यावरण संरक्षण व हरित अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की ओर से 26 जुलाई को जाट धर्मशाला में पर्यावरण प्रहरी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में उन व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने-अपने गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण एवं पालन-पोषण में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

संस्था के अध्यक्ष सत्यव्रत शास्त्री ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आज बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में केवल पौध लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे लोग वास्तव में धरती का श्रृंगार बढ़ा रहे हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। संस्था का उद्देश्य इन्हीं पर्यावरण प्रहरियों को सार्वजनिक मंच पर सम्मानित कर समाज में सकारात्मक संदेश देना है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जाट धर्मशाला में सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की बैठक आयोजित की गई। जिसमें आयोजन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। सभी सदस्यों ने समारोह को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के संयोजक ओमप्रकाश रावत ने बताया कि सम्मान समारोह में नांगल चौधरी ब्लॉक के विभिन्न गांवों से चयनित पर्यावरण प्रेमियों को आमंत्रित किया गया है। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. एसपी यादव होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रविंद्र यादव सेवानिवृत्त कॉलेज प्राचार्य नारनौल करेंगे। महंत लक्ष्मण गिरी महाराज तथा उदय नारायण महाराज सामाजिक एकता का संदेश देंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में राजवीर यादव, नरेश गोयल, कृष्ण कुमार, डॉ. दीपक शहरावत, सोनू तंवर, आशीष सैनी, निहाल सिंह, सुभाष सैनी, प्रवीण यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नांगल में पौधरोपण की मिसाल बाबा सेवादास के नाम लगाई 88 पौध

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नांगल में रविवार को पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की गई। एक पेड़ बाबा सेवादास के नाम अभियान के तहत गांव में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया। इस अभियान की शुरुआत गांव के युवा क्लब के सदस्यों ने की, जिसमें ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सफल बनाया। अभियान के तहत श्मशान घाट क्षेत्र में 40 पौध लगाई। इसके अलावा गांव की फिरनी से बाबा सेवादास के आश्रम तक सड़क किनारे पंचायती भूमि पर 25 पौध का रोपण किया गया। वहीं एससी चौपाल में आठ और सरकारी स्कूल परिसर में 15 पौध लगाई गई। इस प्रकार पूरे गांव में कुल 88 पौध रोपी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व विकास यादव ने किया। इस दौरान युवाओं और ग्रामीणों ने मिलकर गड्ढे खोदे, पौध लगाई और उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया। अभियान में कप्तान परमानंद, विजय पाल यादव उपमंडल प्रमुख पीनबी, राजेंद्र मास्टर, सरपंच भूपेंद्र सिंह, इंद्रजीत सिंह और मनोज कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। एक पेड़ बाबा के नाम से पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। अतिथि का स्वागत करती डॉ. पवित्रा राव। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज में बिखरे संस्कृति के रंग, मेधावी छात्र सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले आरपीएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस उत्सव में जहां एक ओर भारत के भावी अध्यापकों ने अपनी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, वहीं दूसरी ओर बीएड परीक्षा में कॉलेज व यूनिवर्सिटी स्तर पर टॉप करने वाले प्यूपिल टीचर्स को स्मृति चिह्न और नकद पुरस्कार देकर नवाजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व कॉलेज प्राचार्य डॉ. शशी कुमार यादव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और विधिवत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कॉलेज प्राचार्य डॉ. शशि कुमार यादव ने आए हुए सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि जीवन में प्लानिंग का बहुत बड़ा योगदान है। हमें हर रोज अपने दिन भर की प्लानिंग करनी चाहिए। एक आदर्श शिक्षक वही है जो कक्षा में जाने से पहले पूरी तैयारी और लेसन प्लान के साथ जाए। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव और डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने भी भावी अध्यापकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

किताबी ज्ञान काफी नहीं

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आरपीएस विद्यालय प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आज के दौर में केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई हुनर जरूर छुपा होता है। हमें सिर्फ मार्क्स के पीछे भागने की बजाय अपनी स्किल्स को निखारने पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के डॉ. संजय, ज्योति, ममता, डॉ. रिंकू गौड़, कुनाल, पूजा, हरिप्रकाश जोशी, राजसिंह, अजीत सहित सभी प्राध्यापकों और सराहनीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. शशि कुमार यादव ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अभिभावकों, मेहमान और शिक्षाविदों का सहृदय आभार व्यक्त किया।

आरपीएस खातोद में सजेगा खेल महाकुंभ

- आरपीएस में मैदानों से लेकर खिलाड़ियों के स्वागत तक की सभी तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों के लिए तैयार किया गया मैदान। फोटो : हरिभूमि

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक व महेंद्रगढ़ के खंड शिक्षा अधिकारी जगमाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में ब्लॉक स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का शंखनाद 20 जुलाई को आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद में होगा। आरपीएस में मैदानों से लेकर खिलाड़ियों के स्वागत तक की सभी तैयारियां पूरी तत्परता से मुकम्मल कर ली गई हैं। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव के दिशा निर्देश में आरपीएस विद्यालय में प्रतियोगिता को सुचारू और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए खेल सचिव व आरपीएस प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी पूरे प्रबंध और व्यवस्थाओं की कमान संभाल रहे हैं। वहीं, खंड शिक्षा अधिकारी जगमाल सिंह, सहायक शिक्षा अधिकारी व खेल प्रभारी विक्रम और मुख्य पर्यवेक्षक राजेश कुमार झाड़ली के सक्रिय मार्गदर्शन में सारी तैयारिया पूरी कर ली गई हैं।

चार आयु वर्गों में दिखेगा दम

इस भव्य खेल उत्सव में राजकीय व अराजकीय (प्राइवेट) विद्यालयों के खिलाड़ी अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 लड़के और लड़कियां आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आधिकारिक शेड्यूल के अनुसार वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, एथलेटिक्स और टग ऑफ वॉर विशेषकर अंडर-11 के लिए होगी। लड़कों के मुकाबले में 20 से 21 जुलाई तक खेले जाएंगे। वहीं लड़कियों के मुकाबले 22 से 23 जुलाई तक आयोजित होंगे।

नीट के सफल विद्यार्थियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कान्हावास बैरियर अटेली रोड स्थित अल्मा कंप्यूटर एजुकेशन में रविवार को नीट-2026 में क्षेत्र के सफल विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह संस्था निदेशक कृपाल सिंह यादव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा क्षेत्र के अनेक नागरिकों ने भाग लिया।

समारोह के दौरान संस्थान की ओर से सभी सफल विद्यार्थियों का फूल-मालाओं, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। संस्था निदेशक कृपाल सिंह यादव ने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। सम्मानित विद्यार्थियों में प्रमुख रूप से हर्ष कुमार 3398, कनिका 1812, अवनी 2074, मुस्कान शेखावत 834, महावीर प्रसाद यादव 6690, अंशु 6485, हर्ष यादव 11335, दीपिका 12670 तथा उमेश यादव 14178 को सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में आर्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन पाल के चेयरमैन महेंद्र यादव, एसडीएम टीटी कॉलेज दादरी की निदेशक संगीता यादव, सुरेंद्र यादव, भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेमलता देवी, विजेता यादव, विजय कुमार, ईश्वर सिंह, प्रीतम, पवन कुमार, मनेश कुमार, नवीन कुमार, पुष्पेन्द्र शर्मा, अनूप शर्मा, रामनरेश, मलखान, मुकेश कुमार, वीरेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता व हरियाली का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रेलवे स्टेशन पर सफाई करते मंच सदस्य। फोटो : हरिभूमि

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच नारनौल-अटेली की ओर से रविवार को स्वच्छ भारत–स्वच्छ रेलवे स्टेशन अभियान के तहत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-एक पर विशेष सफाई व पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान में राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा, जिला महेंद्रगढ़ के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच की ओर से राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के सचिव डॉ. राजेंद्र सैनी, जिला अध्यक्ष संजय सैनी व उनकी टीम का सम्मान किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सैनी सभा के उपाध्यक्ष मुकेश सैनी, मानसिंह सैनी, मीडिया प्रभारी मुकेश सैनी, महासचिव विजय सैनी, अशोक सैनी, हल्का प्रभारी दीपेश, अभय सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच के सफाई पर्यवेक्षक जीतू कोली ने रेलवे प्रशासन से प्लेटफॉर्मों पर स्वच्छता संबंधी चेतावनी एवं जागरूकता बोर्ड लगाने की मांग की, ताकि यात्री गंदगी फैलाने से बचें और स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच के अध्यक्ष अशोक कटारिया, उपाध्यक्ष महेश बखालिया, सचिव मनीष कोली, धर्मेंद्र सैनी, विनोद वर्मा, रामकिशन, जतिन जांगिड़, विनोद यादव, सतीश, मनीष, दौलत सैनी, अमित सैनी, साक्षम सैनी, रमेश कुमार, अनूप शर्मा, इंद्र कुमार, महावीर प्रसाद, साधुराम मिस्त्री आदि उपस्थित रहे।

वाहन चालकों के हितों के खिलाफ इथेनॉल मिश्रित पेट्रोलः महेंद्र सिंह

मंडी अटेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने केंद्र सरकार की ई-20 इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल नीति पर सवाल उठाते हुए इसे आम जनता और वाहन चालकों के हितों के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना पर्याप्त विकल्प दिए इस ईंधन को लोगों पर थोप रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राता ने कहा कि ई-20 मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों की माइलेज कम होने और मेंटेनेंस खर्च बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई उपभोक्ता अपनी गाड़ियों की परफॉर्मेंस प्रभावित होने की बात कह रहे हैं जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर वाहन ई-20 के लिए उपयुक्त नहीं है। ऐसे में इसे अनिवार्य रूप से लागू करना गलत है। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को ईंधन का विकल्प दिया जाए, ताकि वे अपनी गाड़ी के अनुसार सही ईंधन चुन सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक ई-20 के दीर्घकालिक प्रभावों पर पारदर्शी और वैज्ञानिक अध्ययन सामने नहीं आते तब तक इसे लागू करने से बचना चाहिए। केंद्र सरकार से इस नीति पर पुनर्विचार करने और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। महेंद्र सिंह राता ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया तो कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होगी।

मित्र मंडल ने निकाली 5वीं प्रभात फेरी

नारनौल। शहर की नई धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री राधे राधे मित्र मंडल प्रभात फेरी के तत्वावधान में रविवार को पांचवीं प्रभात फेरी मोहल्ला श्याम कॉलोनी से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान सपना देवी पत्नी अजय सैनी परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। महिला पुरुष एवं बच्चे भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। प्रभात फेरी मोहल्ल श्याम कॉलोनी प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों सलामपुरा श्याम बाबा के दरबार से होते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान पर संपन्न हुई। इस दौरान ठाकुर जी व युगल सरकार की आरती की। यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। मंडल सदस्य बजरंग अग्रवाल व सदस्य होशियार वर्मा ने बताया 26 जुलाई को अगली प्रभात फेरी मोहल्ला संधीवाड़ा से निकाली जाएगी।

नारनौल। स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित करते हुए।

कुलताजपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 125 ने कराया परीक्षण

नारनौल। गांव कुलताजपुर में रविवार को चंडीगढ़ हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सतपाल यादव की पुत्री डॉ. अलका नितिन यादव के जन्मदिन के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श देने के साथ निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया। शिविर का आयोजन सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार के दिशानिर्देश में किया गया। इसमें नारनौल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ओ.पी. यादव के मार्गदर्शन में डॉ. मनीष यादव, डॉ. प्रियंका यादव तथा अन्य चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) नीतू शर्मा, स्वास्थ्यकर्मी राजेंद्र गोठवाल, नीतू कुमारी, संगीता, मोहन सहित अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा। स्वास्थ्यकर्मी राजेंद्र गोठवाल ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 125 मरीजों की ओपीडी में स्वास्थ्य जांच की गई। सभी मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गईं तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया। शिविर में सामान्य रोगों की जांच के साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी गई।

महेंद्रगढ़। दौड़ लगाते कैडेट। फोटो :हरिभूमि

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर दूसरे दिन भी जारी

महेंद्रगढ़। 16 हरियाणा एनसीसी बटालियन नारनौल द्वारा आरपीएस डिग्री कॉलेज, बलाना में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन कैडेटों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की। दिन की शुरुआत प्रातःकालीन शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) एवं समूह दौड़ से हुई, जिसके माध्यम से कैडेटों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति एवं मानसिक दृढ़ता को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। इसके उपरांत वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा प्रेरक एवं मार्गदर्शन व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें नेतृत्व, अनुशासन, समय प्रबंधन, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। शिविर कमांडेंट कर्नल विनीत चुटेलिया ने कैडेटों के उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी एवं राष्ट्र सेवा की भावना का विकास करने का सशक्त माध्यम है। शिविर के आगामी चरणों में ड्रिल, मैप रीडिंग, हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग, फील्ड क्राफ्ट, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन एवं अन्य सैन्य प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे कैडेटों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

हृदय, न्यूरो, बीपी, शुगर व ईसीजी जांच के साथ मुफ्त दवा और परामर्श उपलब्ध

दोस्तपुर में स्वास्थ्य जांच शिविर, 210 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

गांव दोस्तपुर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में रविवार को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन समस्त ग्रामवासी दोस्तपुर, युवा साथी ग्रुप हरियाणा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा व अरनव राव मेमोरियल जयपुर हार्ट हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से किया गया। शिविर में 210 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ आयोजन समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सुबह से ही ग्रामीण बड़ी संख्या में स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंचे। अरनव राव मेमोरियल जयपुर हार्ट हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। शिविर में हृदय एवं न्यूरो (नसों) से संबंधित रोगों की विशेष जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच, ईसीजी सहित अन्य आवश्यक प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं और आवश्यक चिकित्सा परामर्श भी दिया गया। युवा साथी ग्रुप व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के सदस्य राजीव मेहरानियां ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोग समय पर जांच नहीं करवा पाते। इसी उद्देश्य से गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को उनके घर के निकट बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गई। युवा साथी ग्रुप के सदस्य योगेश सैनी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। सरकार भी आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं।

ये रहे मौजूद

शिविर को सफल बनाने में डॉ. एसएस यादव, डॉ. एकता भारद्वाज, श्रीकिशन नंबरदार, रामदत्त (भूतपूर्व सरपंच), डिम्पी यादव, बनवारी लाल यादव, विजय खटाना, शेरसिंह एडवोकेट, शिवोताज सिंह, रामोतार, ओमप्रकाश मुनीम, दीवान सिंह, रतिराम यादव, राजीव मेहरानियां, धारा सरपंच, प्रवीण चौहान, रविदत्त, डॉ. सुरेंद्र, दिनेश घिलोटिया, आशीष मेहरानियां, महिपाल जॉनी, मोहित मेहरानियां, साहिल यादव, साहिल कुमार, अभय यादव, दिनेश यादव, मनोज, विवेक, अभिषेक, गुरुदीप, रोबिन, रोहित सहित समस्त ग्रामवासी दोस्तपुर, युवा साथी ग्रुप, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के स्वयंसेवकों, विद्यालय स्टाफ व अस्पताल की पैरामेडिकल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

एमए, एमकॉम, एमएससी, एमसीए सहित विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन पंजीकरण जारी, छात्र समय रहते करें आवेदन

राजकीय व प्राइवेट डिग्री कॉलेजों में पीजी प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पोर्टल 26 तक रहेंगे खुले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश के सभी सरकारी एवं सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार एमए, एमकॉम, एमएससी, एमसीए सहित विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी 26 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विभाग ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना पंजीकरण पूरा करें। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के प्रवेश पोर्टल https://admissions.highereduhry.ac.in पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग के अनुसार पीजी प्रवेश कार्यक्रम (Admission Schedule) की विस्तृत समय-सारिणी जल्द ही जारी की जाएगी। इसके बाद मेरिट सूची, दस्तावेज सत्यापन तथा फीस जमा कराने की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी कराई जाएगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए विद्यार्थी हेल्पलाइन नंबर 1800-180-2133 पर संपर्क कर सकते हैं।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

हकेंविवि में विशेष प्रवेश अभियान
22 जुलाई तक करें रजिस्ट्रेशन

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विशेष प्रवेश अभियान आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान 24 जुलाई को आयोजित होगा। इस विशेष प्रवेश अभियान के तहत अनारक्षित वर्ग (यूआर), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) वर्ग की रिक्त सीटों को भरा जाएगा। यह अभियान हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन) में संचालित होगा।

क्या कहते हैं दाखिला नोडल अधिकारी

राजकीय पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि हरियाणा के सभी डिग्री कॉलेजों में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रावधानों के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी सही प्रकार से भरें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

विशेष प्रवेश अभियान के लिए पुनः पंजीकरण करना अनिवार्य होगा

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जानकारी दी कि इच्छुक अभ्यर्थी 22 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। विशेष प्रवेश अभियान के लिए रिक्त सीटों का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध है। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व की काउंसलिंग में रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा किया था, उन्हें दोबारा शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन विशेष प्रवेश अभियान के लिए पुनः पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों को 24 जुलाई को दोपहर एक बजे तक संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगा। चयनित अभ्यर्थी 24 से 26 जुलाई तक प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। यदि सीटें रिक्त रहती हैं, तो प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को 27 व 28 जुलाई को प्रवेश का अवसर दिया जाएगा। प्रवेश मेरिट में सीयूईटी-2026 स्कोर वाले अभ्यर्थियों को प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी।

मुकेश चौहान बने एमपीएचडब्ल्यू एसो. के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष

महेंद्रगढ़। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित की राज्य कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को रोहतक के सुखपुरा चौक स्थित सर्व कर्मचारी संघ भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान शर्मिला देवी ने की और संचालन राज्य महासचिव सहदेव आर्य सांगवान ने किया। बैठक में प्रदेशभर से आए जिला प्रधान, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्यों की सर्वसम्मति से राज्य कमेटी का विस्तार किया गया। संगठन के प्रति समर्पण और सक्रियता को देखते हुए महेंद्रगढ़ जिले के गांव सिसोठ निवासी मुकेश कुमार चौहान को तीसरी बार राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ अन्य पदाधिकारी भी नियुक्त किए गए, जिनमें पिंकी रानी को करनाल द्वितीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, देवेंद्र सिंह कुरुक्षेत्र एवं शक्ति सिंह जींद को प्रचार सचिव, लालचंद, सिरसा को ऑडिटर व अनिल मलिक पानीपत को संगठन सचिव बनाया गया। नव-मनोनीत पदाधिकारियों को प्रधान शर्मिला देवी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधान ने कहा कि 28 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री और विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ होने वाली वार्ता में कैडर के लंबित मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। इस अवसर पर सुरेश कटारिया, धर्मवीर, धर्मवीर सिंह, दिनेश, विकास, देवी रानी सहित सभी जिलों के प्रधान एवं राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेरा शहर मेरी समस्या सम्पर्क मार्ग पहल

बदहाल सड़क मार्ग पर गड्ढों ने बढ़ाई परेशानी, हादसों का खतरा

कृष्णा कॉलोनी से माजरा पुल सड़क नहीं हुई पास, लोग खा रहे हिचकोले

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में सड़क।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

कृष्णा कॉलोनी से माजरा पुल तक जाने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर और रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाले इस छोटे लेकिन महत्वपूर्ण मार्ग की हालत लगातार खराब होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा करीब 23 वर्ष पहले इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसके बाद से इसकी समुचित मरम्मत और रखरखाव नहीं किया गया। परिणामस्वरूप आज यह मार्ग दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। क्षेत्रवासियों के अनुसार सड़क पर बने गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक अक्सर संतुलन खो बैठते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। कई बार चारपहिया वाहन भी गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है। सुबह और शाम के समय इस मार्ग से बड़ी संख्या में लोग अपने कार्यस्थलों की ओर आते-जाते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण उन्हें रोजाना जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है।

रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाला है यह मार्ग

यह सड़क शहर और रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाला मुख्य और सबसे छोटा मार्ग है। शहर व आसपास के गांव के लोग इसी रास्ते से गुजरते हैं। रेलवे फाटक पर अनेक बार लंबे समय तक जाम लगता है। इस सड़क के सहारे गांव माजरा खुर्द अंडर पास से नीचे से सीधे शिव मंदिर के पास रेवाड़ी रोड तक पहुंच सकते हैं। गोशाला रोड, मसानी चौक से सीधे इस मार्ग का प्रयोग कर शहर की भीड़ से भी बचा जा सकता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह मार्ग कृष्णा कॉलोनी, माजरा क्षेत्र और आसपास की कई कॉलोनियों के लोगों के लिए सबसे सुविधाजनक रास्ता है। इसके माध्यम से लोग कम दूरी तय कर सीधे रेवाड़ी रोड और शहर के मुख्य बाजार तक पहुंचते हैं। सड़क की जर्जर हालत के कारण अब वाहन चालकों को लंबा रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे समय और ईंधन दोनों की अतिरिक्त खपत हो रही है।

कई बार कर चुके शिकायत

सड़क की समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद आज तक न तो सड़क की मरम्मत कराई गई और न ही गड्ढों को भरने की कोई स्थायी व्यवस्था की गई। लोगों का कहना है कि केवल आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन धरातल पर कोई कार्रवाई दिखाई नहीं देती। बरसात के मौसम में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जब सड़क पर जलभराव होने से पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

-अशोक कुमार ।

जल्द से जल्द सुध ली जाए

आमजन की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग की जल्द से जल्द सुध ली जाए। शहर और रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाले इस प्रमुख मार्ग का बेहतर होना न केवल स्थानीय लोगों के लिए जरूरी है, बल्कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी जल्द निरीक्षण कर सड़क के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करेंगे, ताकि वर्षों से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

- चंदगी स्वामी।

सड़क का किया जाए निर्माण

कई बार दोपहिया वाहन चालक गड्ढों से बचने के प्रयास में सामने से आ रहे वाहनों की चपेट में आते-आते बचते हैं। कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई है। उनका कि यदि समय रहते सड़क का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने मांग मांग की है कि सड़क की केवल पैचवर्क मरम्मत करने के बजाय इसका पूरी तरह से पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि लंबे समय तक लोगों को राहत मिल सके। साथ ही जल निकासी की उचित व्यवस्था भी की जाए, जिससे बरसात के दौरान सड़क पर पानी जमा न हो और सड़क जल्दी खराब न हो।

-दिनेश मास्टर।

कराया जा रहा निर्माण

शहर में सड़क के निर्माण का कार्य चल रहा है। इस सड़क का टेंडर प्रक्रिया पूरी करके निर्माण शुरू करवा दिया जाएगा। शहर में जहां पर सड़क मार्ग टूटे हुए उनका भी निर्माण शीघ्र करवा दिया जाएगा।

–रमेश सैनी, चेयरमैन नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास की समस्याओं से हैं परेशान तो इस नंबर 7988236245 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

न्यूज डायरी

25 को नांगल चौधरी आएंगे दुष्यंत चौटाला

नांगल चौधरी। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 25 जुलाई को नांगल चौधरी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बीएलओ-2 कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करेंगे तथा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। बैठक को सफल बनाने के लिए हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर, विनोद भील, हजारीलाल लंबोरा, विजयपाल गहली ने कालबा, बनिहाड़ी, नोलाजा समेत आठ गांवों में जनसंपर्क करके कार्यकर्ताओं को निमंत्रण दिया। हलका प्रधान प्रमोद ताखर ने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का नांगल चौधरी पहुंचने पर राव तुलाराम चौक पर अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद सैकड़ों बाइकों के काफिले के साथ उन्हें कार्यक्रम स्थल तक ले जाया जाएगा। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा होगी।

23 घंटे में नाबालिग को परिजनों को सौंपा

महेंद्रगढ़। पुलिस ने सूचना मिलने के महज 23 घंटे के भीतर एक गुमशुदा नाबालिग बच्ची को सकुशल तलाश कर उसके परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है। यह पूरा घटनाक्रम 16 जुलाई का है, जब एक बच्ची माता पिता द्वारा डाटे जाने से नाराज होकर सुबह करीब 09:30 बजे अपने परिजनों को बिना बताए घर से अचानक कहीं चली गई थीं। सगे-संबंधियों, पड़ोस और आसपास के संभावित इलाकों में काफी खोजबीन करने के बाद भी जब बच्ची शाम तक घर नहीं लौटीं, तो परिजनों की चिंता और घबराहट बढ़ती चली गई और पुलिस को इसकी सूचना दी। रात करीब 10:00 बजे पुलिस थाना सदर महेंद्रगढ़ में नाबालिग बच्ची के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और थाना सदर महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम का गठन किया गया और बच्ची की तलाश के लिए चेकिंग अभियान शुरू किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी व त्वरित कार्रवाई करते हुए। पुलिस ने जयपुर से 23 घंटे के भीतर बच्ची को सुरक्षित बरामद किया। बच्ची को सकुशल बरामद करने के बाद पुलिस टीम उसे थाने लेकर आई और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस की इस त्वरित कार्यशैली के लिए पूरी टीम का सहृदय आभार व्यक्त किया।

शिविर में 103 रक्तदाताओं ने किया महादान

महेंद्रगढ़। भारत विकास परिषद शाखा व टीम नवीन राव द्वारा रविवार को श्री गोपाल गौशाला बुचियावाली में परिषद के सदस्य नवीन राव के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष रतनलाल माधोगढ़िया ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में श्री गोपाल गौशाला के वरिष्ठ सदस्य सुरेश लावनिया की पुण्य स्मृति में पौध रोपण भी किया गया। नारनौल रेडक्रॉस की टीम ने शिविर में 103 यूनिट रक्त एकत्रित किया। पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी रक्तदाताओं को पौधे देकर सम्मानित किया गया। अंत में गौ माता को हरा चारा खिलाकर गौसेवा भी की गई। कार्यक्रम के मुख्य प्रेरणास्रोत समाजसेवी नवीन राव ने कहा कि उनके जन्मदिवस को भारत विकास परिषद और उनके मित्रों द्वारा रक्तदान जैसे पुनीत कार्य के माध्यम से मनाया जाना उनके लिए अत्यंत भावुक एवं अविस्मरणीय क्षण है। कार्यक्रम के दौरान श्री गोपाल गौशाला बुचियावाली, बालाजी जन सेवक मंडल, सैनी क्षत्रिय सभा और बाल चरित्र निर्माण सभा के द्वारा सराहनीय सहयोग किया गया।

राधे नाम के संकीर्तन से गूंजा नारनौल

नारनौल। शहर में राधे नाम की प्रभात फेरियों का संचालन करने वाली अग्रणी संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 183वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला बावड़ीपुर से किया गया। यजमान जसवंत जांगिड़ व उनके परिवार ने ठाकुर जी की आरती, चंदन तिलक व पुष्प अर्पित कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर मोहल्ला बड़का कुआं व बावड़ीपुर क्षेत्र की परिक्रमा करती हुई आगे बढ़ी। ढोल, मृदंग, मंजीरों और राधे-राधे के मधुर संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस दौरान अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने घरों से बाहर निकलकर पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया। ठाकुर जी की आरती व दर्शन कर लोगों ने स्वयं को धन्य महसूस किया। संगठन ने बताया कि अगली प्रभात फेरी 26 जुलाई को नसीबपुर स्थित जेठू बाबा मंदिर से निकाली जाएगी। कार्यक्रम का समापन ठाकुर जी व लाडली श्री राधा रानी के जयघोष तथा प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सामाजिक संस्था नेकी की दीवार ने किया पिता विहीन बेटी का कन्यादान, सामान किए भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने गरीब सुकन्या विवाह मुहिम के तहत रविवार को एक पिता-विहीन बेटी का कन्यादान कर सामाजिक सरोकार का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम सालासर मेडिकल स्टोर के निकट आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने की, जबकि मुख्य अतिथि समाजसेवी सुनील शर्मा रहे। कार्यक्रम का संयोजन मनीष गर्ग व हिमांशु संघी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि सुनील शर्मा ने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपने परिवार के लिए भी समय नहीं निकाल पाते, लेकिन नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के सदस्य निस्वार्थ भाव से जरूरतमंद परिवारों की सहायता कर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन रहे हैं। उन्होंने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं। संस्था की ओर से नवविवाहिता को गृहस्थी शुरू करने के लिए 51 बर्तनों का सेट, लहंगा-चोली, अटैची, मिल्टन की बोतलें व थर्मस, प्रेस, प्रेशर कुकर, डस्टबिन, बाल्टी-मॉप, गैस चूल्हा, लाइटर, छतरी, 21 साड़ियां, पेंट-शर्ट, लेडीज सूट, सफारी सूट, पंखा, छह कुर्सियां, टेबल, लेडीज पर्स, सीनरी, मिक्सी सहित अन्य घरेलू उपयोग का सामान तथा 501 रुपये की कन्यादान राशि भेंट की गई।

सतनाली क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

सतनाली क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर रविवार को अनेक किसानों ने प्रदर्शन किया। सतनाली कॉलेज रोड से पथरवा जाने वाले मार्ग पर बास माइनर पर बने नहर के पुल पर एकत्रित होकर नारेबाजी कर हक का पानी देने की मांग की। इस अवसर पर राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान समाजसेवी सवाई सिंह राठौड़, भानसिंह, शिंभूसिंह, लालचंद, शिवकुमार, देवेंद्र सिंह, कृष्ण सिंह, नरेश सिंह, बिशन सिंह, मुरारी सिंह, अनिल कौशिक, पप्पू सिंह, बलबीर सिंह यादव, पवन सोनी, रमेश मलिक, जयसिंह जांगड़ा, टोमी, लाला शेखावत, रवि ठेकेदार सहित अनेक किसानों ने बताया कि फरवरी के बाद से इस नहर में पानी नहीं आया है। नहर में घास उगी हुई है और कचरा भरा पड़ा है। उन्होंने बताया कि कुओं एवं बोरवैलों में पानी सूखता जा रहा है, कई जगह तो एक हजार फिट तक बोरिंग करवाने पर भी पानी नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अनेक जगह तो जगह बदल-बदलकर बोरिंग करवाने पर भी पानी नहीं मिल रहा है।

सतनाली मंडी। सूखी पड़ी नहर में उगी घास को दिखाते किसान। फोटो : हरिभूमि

मुनि संघ कार्यकारिणी का गठन संदीप जैन बनाए गए प्रधान

नारनौल। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नलापुर प्रांगण में दिगम्बर जैन कार्यकारिणी की बैठक प्रधान अजीत प्रकाश जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें मुनि संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। चुनाव के बाद नए कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक भगवान दास जैन पूर्व प्रधान जैन समाज, प्रधान संदीप जैन पार्षद, उप प्रधान महावीर जैन सर्राफ, कोषाध्यक्ष अंकुर जैन, प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन को नियुक्त किया गया। प्रधान संदीप जैन ने बताया कि इन समितियों का गठन स्थानीय जैन समाज के सदस्यों की ओर से किया जाता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

आंदोलन | शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार

कांग्रेस के नेताओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन में शुरू हुआ धरना 13 घंटे के उपवास के साथ कराया समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में शहर के आजाद चौक में शनिवार सुबह शुरू हुआ 13 घंटे का सांकेतिक उपवास एवं धरना शनिवार रात 8 बजे संपन्न हो गया। सुबह 7 बजे शुरू हुए इस गैर-राजनीतिक कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश खेड़ा और सेवानिवृत्त बीईओ राम अवतार डाडैया पूरे समय उपवास पर बैठे रहे। दिनभर चले धरने के समापन पर हरियाणा यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर कृष्ण राव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया तथा राव होशियार सिंह सहित अन्य नेताओं ने अनशन तुड़वाकर कार्यक्रम का समापन कराया। धरना स्थल पर मौजूद किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर कृष्ण राव ने कहा कि सोनम वांगचुक का संघर्ष किसी एक व्यक्ति का आंदोलन नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों और युवाओं की आवाज बन चुका है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। यदि सरकार आंदोलनकारियों से संवाद करने के बजाय बलपूर्वक कार्रवाई करती है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को सोनम वांगचुक से वार्ता कर उनकी चिंताओं का समाधान करना चाहिए, ताकि अनशन जैसी स्थिति समाप्त हो सके।

नारनौल। आजाद चौक में धरने को संबोधित करते कांग्रेस नेता कृष्ण राव।

पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था आवश्यक

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियां और पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था आवश्यक है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके। धरने के दौरान वक्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से गंभीर पहल करने की मांग की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सोनम वांगचुक के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताते हुए उनके समर्थन में हस्ताक्षर अभियान में भी भाग लिया। धरना संयोजक गिरीश खेड़ा ने बताया कि यह पूरी तरह गैर-राजनीतिक मंच था, जिसका उद्देश्य केवल सोनम वांगचुक के त्याग, देशभक्ति और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के प्रति जनसमर्थन प्रकट करना था।

- छात्रों के भविष्य, परीक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक अधिकारों के मुद्दे पर उठी आवाज

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पंचम कनीना, कॉमरेड दलीप सिंह, कॉमरेड महेश यादव, राव होशियार सिंह, चेयरमैन रविंद्र, राजवंती यादव, दलीप सिंह यादव, विक्रम सिंह, राजकुमार, प्रदीप यादव, तेजपाल, अजीत यादव, कवीन्द्र यादव, सुरेंद्र पराशर, नरेंद्र, तोताराम, विकास फौजदार सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। दिनभर चले शांतिपूर्ण उपवास एवं धरने का समापन राष्ट्रहित, शिक्षा सुधार और लोकतांत्रिक अधिकारों के समर्थन के संकल्प के साथ हुआ।